Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 18 , 09 अक्टुबर, सोमवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

न्यूज

अनंतनाग में हड़ताल के कारण जनजीवन प्रभावित

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग शहर में पुलिस की कथित ज्यादतियों के विरोध में हड़ताल के कारण शनिवार को यहां जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। इस बीच कारोबारियों ने अनंतनाग के लाल चौक पर धरना भी दिया। कारोबारियों का आरोप है कि क्षेत्र में चोटी काटने की घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों ने शुक्रवार को उनकी दुकानों को नुकसान पहुंचाया और उनकी पिटाई भी की। सुरक्षा बलों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कारोबारियों ने आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

ऑस्ट्रिया के बाद अब डेनमार्क में होगा बुर्का बैन

कोपेनहेगन (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया में महिलाओं के

पूरा चेहरा ढकने पर बैन लगने के कुछ दिन बाद ही अब डेनमार्क ऐसा करने वाला अगला यूरोपीय देश होगा। संसद में अधिकतर सदस्यों के चेहरा ढकने के खिलाफ होने के बाद अब डेनमार्क में बुर्का और नकाब को प्रतिबंधित करने की तैयारी की जा रही है। बुर्का और नकाब से पूरा और आंशिक तौर पर चेहरा ढकने को लेकर पूरे यूरोप में लोग धड़े में बंटे हुए हैं। कुछ लोग इस धार्मिक आजादी का मुद्दा बता रहे हैं, तो कई लोग इसे महिलाओं के उत्पीड़न का प्रतीक बताते हैं।

दक्षिणी दिल्ली में महिला का अधजला शव मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली में न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाना के अंतर्गत खिजराबाद गांव में शनिवार को एक महिला का अधजला शव मिला। पुलिस ने बताया कि सुबह छह बजकर तीस मिनट पर महिला का शव मिला है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया पता चला है कि महिला को अलग-अलग जगहों पर जलाने की कोशिश की गई। शव को अधजली अवस्था में इस इलाके में फेंक दिया गया है। उन्होंने बताया कि महिला की अब तक पहचान नहीं हो पायी है, लेकिन शुरुआती जांच में उसकी उम्र 23 से 25 साल बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

देवरिया में पटाखा कारोबारी के घर में लगी आग

देवरिया (एजेंसी)। खामपार क्षेत्र में शनिवार को एक पटाखा कारोबारी के घर में लगी आग और विस्फोट से चार लोग गम्भीर रूप से झुलस गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि भिंगारी बाजार में पटाखा कारोबारी वकील मियां के घर में खाना बनाते समय घरेलू गैस सिलिंडर में लीकेज से आग लग गई और विस्फोट हो गया। इस घटना में वकील मियां (65), गुलेसरा (42), मन्नू (4) और अरमान (02) गम्भीर रूप से झुलस गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी ने इस बाबत कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और अगर पटाखा विस्फोट से घटना हुई होगी तो पुलिस मुकदमा भी दर्ज करेगी।

राजू पाल हत्याकांड की चश्मदीद गवाह पर हमला

इलाहाबाद (एजेंसी)। करेली क्षेत्र में बहुचर्चित राजू पाल हत्याकांड की चश्मदीद गवाह रुखसाना बेगम पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला किया। क्षेत्र के बक्शी मोढ़ा मोहल्ला निवासी रुखसाना ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार देर रात कुछ लोगों ने मकान की छत पर चढ़कर उनपर जानलेवा हमला किया। फायरिंग के दौरान वह किसी तरह जान बचाकर घर के अंदर भागी और फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचते ही हमलावर वहां से भाग निकले। रुखसाना की तहरीर पर बक्सी मोढ़ा निवासी मकसूद, मकबूल, मामूद, मुबारक, मामू और इसरार उर्फ गुड्डू के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शशिकला ने की बीमार पति से मुलाकात

नई **दिल्ली** ■ **एजेंसी**

आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल की सजा काट रही तमिलनाडू की पूर्व मुख्यमंत्री वीके शशिकला ने शनिवार को ग्लेनीगल्स ग्लोबल हेल्थ सिटी में अपने बीमार पति एम नटराजन से मुलाकात की। इससे पहले जब वो चेन्नई पहुंची तो समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बता दें कि शशिकला को कोर्ट ने पांच दिन के पैरोल पर रिहा किया है। हालांकि शशिकला की तरफ से 15 दिन के पैराल की मांग की गई थी।

पैरोल के दौरान वो सिर्फ अस्पताल जा सकती है और अपने निवास पर ही रह सकती है लेकिन वो कार्टकर्ताओं से मुलाकात नहीं कर सकती है। शशिकला का परिवार उनसे 233 दिनों के बाद मिला। गौरतलब है कि शशिकला ने इससे पहले भी परोल के लिए आवेदन किया था लेकिन बेंगलुरु जेल प्रशासन ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया था। इस बार शशिकला ने इमर्जेंसी परोल फॉर्म भरा है। इस आवेदन के साथ उन्होंने अपने पति का मेडिकल सर्टिफिकेट समेत अन्य जरूरी दस्तावेज भी जमा कराए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वीके शशिकला ने शनिवार को जेल से रिहाई मिली तो कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया।

ताबड़तोड़ हो रही मुठभेड़ों पर सपा ने उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। प्रमुख विपक्षी दल सपा ने सूबे में हो रही ताबड़तोड़ मुठभेड़ों पर सवाल उठाते हुए शनिवार को इसी सिलसिले में राज्यपाल रामनाईक से मुलाकात की।

पार्टी प्रदेशाध्यक्ष उत्तम पटेल की अध्यक्षता में सपा प्रतिनिधिमंडल ने श्री नाईक से ताबड़तोड़ मुठभेड़ों पर सवाल उठाया और कहा कि इसमें मृत कई लोगों के परिजनों ने मुठभेड़ों को फर्जी बताया है। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि ग्रेटर नोएडा में मारे गए सुमित गुर्जर और मंसूर के परिजनों ने मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए इसकी जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा में नेता विपक्ष रामगोविन्द चौधरी और विधान परिषद में नेता विपक्ष अहमद हसन भी शामिल थे।

अखिलेश ने मुलायम से की मुलाकात

पिछले 9 महीने से मुलायम कुनबे में चल रही कलह अब खत्म हो सकती है। अखिलेश यादव और शिवपाल के बीच वर्चस्व की जंग ने बाप-बेटे के बीच भी दूरियां पैदा कर दी थीं. लेकिन अब रिश्तों पर जमी यह बर्फ पिघलने लगी है। शनिवार को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव अपने पिता मुलायम सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे। अखिलेश-मुलायम के बीच 40 मिनट लंबी वार्ता चली। सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश और मुलायम के बीच शिवपाल यादव को लेकर चर्चा हुई।

राहुल बोले : पीएम का वायदा कर रहा युवाओं को गुमराह

झूठ-सच में फर्क नहीं जानते मोदी

मंडी ■ एजेंसी

हिमाचल की छोटी काशी मंडी पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी को झूठ और सच में फर्क मालूम नहीं है।

मोदी ने वायदा किया था कि दो करोड़ युवाओं को रोजगार मुहैया करवाया जाएगा, लेकिन आज हालात कुछ और ही हैं। राहुल ने निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी ये मजाक नहीं तो और क्या है।

मोदी युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि आज देश के सामने बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है। चीन की सरकार रोज 50 हजार युवाओं को रोजगार देती है, लेकिन मोदी सरकार रोज सिर्फ 450 लोगों को रोजगार दे पा रही है।

सिर्फ बड़े-बड़े भाषण देना जानते हैं मोदी

मोदी सिर्फ बड़े-बड़े भाषण देना और बड़े-बड़े वायदे करना जानते हैं। राहुल बोले कि जिस राज्य में भी आज भाजपा की सरकार है वहां रोज कोई न कोई किसान आत्महत्या कर रहा है। किसानों को न बोनस न मदद सिर्फ भाषण दिए जा रहे हैं। राहुल ने हिमाचल के सीएम वीरभद्र सिंह की भी काफी तारीफ की। राहुल ने कहा कि मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह राजा नहीं फकीर हैं वे दिल से काम करते हैं। राहुल ने कहा कि वीरभद्र सिंह सातवी बार हिमाचल के मुख्यमंत्री बनेंगे। राहुल गांधी ने हिमाचल और गुजरात सरकार के पांच सालों के विकास के आंकड़े मंच पर पेश किए। राहुल ने कहा कि हिमाचल सरकार ने पांच सालों में 70 हजार लोगों को नौकरी दी है। गुजरात सरकार ने सिर्फ 10 हजार को नौकरी दी। हिमाचल सरकार ने पांच सालों में 4 मेडिकल खोले जबकि गुजरात सरकार ने कोई मेडिकल कॉलेज नहीं खोला है। हिमाचल सरकार 1000 रुपये बेरोजगारी भत्ता दे रही है जबकि गुजरात में बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलता।

मोदी अनट्रेंड दर्जी की तरह: रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि वीरभद्र सिंह फकीर नहीं हिमाचल की तकदीर हैं। कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी रंजीत रंजन ने कहा कि केंद्र सरकार हर मोर्चे पर विफल हुई है। मोदी अनट्रेंड दर्जी की तरह हैं। देश को चलाना उनके बस के बाहर है। राहुल गांधी ने ऐतिहासिक पड्डल मैदान से 'विकास से विजय की ओर' रैली से प्रदेश में विधानसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद किया। पड्डल मैदान में पहुंचे सीएम वीरभद्र सिंह ने कहा कि विकास से विजय की ओर रैली भाजपा को जवाब होगी।

अन्याय का जवाब देगी जनता

राहुल गांधी ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी कहते हैं मुझे पहाड़ अच्छे लगते हैं वे कहते हैं 25 हजार फीट तक गया हूं चप्?पलों में। हिंदूस्तान में सिर्फ एक पहाड़ कंचनजंगा जो 25 हजार फीट ऊंचा है। हमारे पीएम अकेले चप्पल डालकर कंचनजंगा जा आए। इससे पहले राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर पड्डल मैदान में उतरा। सीएम वीरभद्र सिंह ने पहाड़ी टोपी और शॉल पहनाकर राहुल गांधी का स्वागत किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आनंद शर्मा ने रैली में कहा कि केंद्र के साढ़े तीन साल के अन्याय का जनता जवाब देगी और इसकी शुरूआत हिमाचल से होगी।

उठाया बेरोजगारी का मुद्दा

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा गुजरात सरकार बेरोजगारी भत्ता नहीं देती है यहां किसान रोज खुदकुशी करने पर मजबूर हैं। पीएम ने देश की अर्थव्यवस्था पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा- आज देश के सामने अगर कोई कठिनाई है तो वह रोजगार की है । बता दें कि राहुल गांधी लगातार राज्यों के दौरे पर चल रहें जिससे ये कहा जा रहा है कि आने वाले चुनावों के लिए पार्टी तैयारी में जुटी हुई है।

हिमाचल में वीरभद्र ही होंगे कांग्रेस के सीएम उम्मीदवार

कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने ऐलान कर दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह ही कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार होंगे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने पार्टी संगठन में चल रही खींचतान को भी खत्म कर दिया। बता दें कि मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष सुखविंदर सुखु के बीच काफी समय से तनातनी चल रही थी।

हरित ऊर्जा शोध में सहयोग करेंगे भारत दक्षिण अफ्रीका

डरबन ■ एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका हरित ऊर्जा और सामुद्रिक अर्थव्यवस्था में सहयोग की संभावनाएँ तलाशने पर सहमत हुये हैं। साथ ही दोनों देशों ने आधारभूत नावाचार पर नए साझा कार्यक्रम की शुरुआत भी की है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर गये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने उनके दक्षिण अफ्रीकी समकक्ष नालेदी पैंडर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भविष्य में सौर, पवन तथा बायोमास के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग का सुझाव दिया।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अंतर्राष्ट्रीय सौर संधि में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। भारत इस संधि अग्रणी भूमिका निभा रहा है। दोनों देश सामुद्रिक अर्थव्यवस्था में भागीदारी के लिए भी सहमत हुये हैं। दोनों देशों के पास विस्तृत समुद्र तट है और वे इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन का हिस्सा हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ 'गाँधी-मंडेला प्रोग्राम ऑन ग्रास रूट इनोवेशन' नामक कार्यक्रम की भी शुरुआत की है। इसका उद्देश्य मुक्त प्रौद्योगिकियों को साझा करना और पारंपरिक ज्ञान के बौद्धिक संपदा अधिकार का संरक्षण किया जाना है। दोनों देश मिलकर नये उत्पादों का विकास करेंगे।

क्या बोले पर्यावरण मंत्री

डॉ. हर्षवर्द्धन ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के पास पारंपरिक ज्ञान का भंडार है। इसके साथ वैज्ञानिक ज्ञान को जोड़कर नई प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा सकता है, जिससे समाज का फायदा होगा। भारत की ओर से इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी गुजरात के अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय नवाचार प्रतिष्ठान को सौंपी गई है। डरबन में केंद्रीय मंत्री ने पीटरमरिजबर्ग रेलवे स्टेशन पर महात्मा गाँधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान इसी रेलवे स्टेशन पर महात्मा गाँधी को प्रथम श्रेणी में सफर करने के कारण ट्रेन से उतार दिया गया था। इसी घटना ने बाद में सत्याग्रह को जन्म दिया।

गुरदासपुर सीट का उपचुनाव मील का पत्थर साबित होगा : राठौर

पठानकोट ■ एजेंसी

केंद्रीय खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौर ने कहा है कि गुरदासपुर सीट पर लोकसभा उपचुनाव भाजपा के लिए 2019 के आम चुनाव के वास्ते मील का पत्थर साबित होगा। श्री राठौर यहां भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी स्वर्ण सलारिया के समर्थन में आयोजित पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष

विजय सांपला, राजगायक हंस राज हंस, प्रदेश पार्टी प्रभारी प्रभात झा, संगठन मंत्री रामलाल और पूर्व सांसद विनोद खन्ना की पत्नी कविता खन्ना ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

पूरे देश में बदलाव की हवा बह रही है और इसके आगे भी जारी रहने की संभावना है। लोगों को मोदी सरकार पर भरोसा है और वह उनके विश्वास को हर हाल में कायम रखेंगे।

जीजे साले ने 10 साल तक पंजाब को जी भर कर लूटा : सिद्धू

पठानकोट। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने शनिवार को अकालियों पर हमला बोलते हुये उन पर 10 वर्षों के शासन में राज्य को जी भर कर लूटने का आरोप लगाया। गुरदासपुर लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सुनील जाखड़ के समर्थन में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए श्री सिद्धू ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद)-भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) गठबंधन और आम आदमी पार्टी(आप) पर करारा हमले किये।

अगला चुनाव आर्थिक मुद्दों पर होगा : शरद

नई **दिल्ली** ■ **एजेंसी**

जद (यू) (शरद गुट) के वरिष्ठ नेता शरद यादव ने शनिवार को कहा कि देश में अगला चुनाव आर्थिक मुद्दों पर लड़ा जाएगा और विपक्षी दलों को किसानों एवं मजदूरों के जीवन स्तर से जुड़े मामलों को उठाना होगा । श्री यादव ने कहा कि इस संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ बातचीत चल रही है तथा इस सिलसिले में देशव्यापी आन्दोलन की रुपरेखा तैयारी की जा रही है । आन्दोलन की तिथि की घोषणा जल्दी ही की जाएगी। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर अब भारतीय जनता पार्टी के अंदर और बाहर से सवाल उठने लगे हैं। श्री यादव ने कहा कि अर्थ व्यवस्था को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदम्बरम तथा भाजपा के अंदर से यशवंत सिन्हा एवं अरुण शौरी ने सवाल उठाए हैं । नोटबंदी ने देश की अर्थ व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है और छोटे छोटे कल कारखानों के बंद होने से दो से पांच करोड़ लोग बेरोजगार हो गए हैं।

लालू की राजनीति खुद को बचाने के लिए : जदयू

पटना, एजेंसी। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाईटेड (जदयू) ने बेनामी संपत्ति मामले में फंसे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव एवं उनके परिवार पर प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग की जांच से बचने के लिए 'राजनीति' का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि उनके मुंह से विकास, विचारधारा और सामाजिक न्याय की बातें हास्यास्पद लगती हैं। जदयू के प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने यहां कहा कि सत्ता का दुरुपयोग करके बेहिसाब बेनामी संपत्ति अर्जित करने के कई मामलों में सीबीआई, आयकर और प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ और जांच के घेरे में फंसे श्री यादव और उनके परिवार के लिए उनकी घर की पार्टी राजद और राजनीति केवल खुद को बचाने का हथियार भर रह गई है।

जद यू राष्ट्रीय परिषद की बैठक आज

जनता दल (यूनाइटेड) (शरद गुट) की राष्ट्रीय परिषद की बैठक यहां होगी जिसमें आगे की रणनीति को अंतिम रुप दिया जाएगा। पार्टी के महासचिव अरुण श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि इस अधिवेशन में पार्टी के 15 राज्यों के अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय परिषद के 500 से 600 सदस्य हिस्सा लेंगे । पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद यादव तथा अन्य वरिष्ठ नेता अधिवेशन को सम्बोधित करेंगे । इस अधिवेशन में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसलों पर भी मुहर लगाई जाएगी । पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पिछले दिनों बैठक हुई थी ।

बेगम अख्तर को गूगल ने दी श्रद्धांजलि

नई **दिल्ली** ■ **एजेंसी**

गूगल ने मलिका-ए- गजल बेगम अख्तर को शनिवार को उनकी 103 वीं जयन्ती पर एक रंगीन और आकर्षक डूडल बनाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनकी मौसिकी को याद किया।

डूडल में उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में सात अक्टूबर 1914 को जन्मी पद्मभूषण बेगम अख्तर की रंगीन तस्वीर में उनके हाथ में तानपुरा दिखाया गया है। अख्तरी बाई फैजाबादी उर्फ बेगम अख्तर दादरा ठुमरी के साथ-साथ गजल गायिकी में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जानी जाती हैं, जो काफी लोकप्रिय भी हुई। सरकार ने उनकी जन्मशती राष्ट्रीय स्तर पर मनाई थी और इस मौके पर उनकी स्मृति में चांदी का सिक्का भी जारी किया गया था। बेगम अख्तर ने चालीस के दशक में कई फिल्मों में भी काम किया था, इनमें 1942 में बनी महबूब खान की प्रसिद्ध फिल्म रोटी भी शामिल थी। वह प्रख्यात फिल्म निर्देशक सत्यजित रे की 1958 में बनी मशहूर फिल्म जलसाघर में भी थीं। बेगम अख्तर का निधन 30 अक्टूबर 1974 को हैदराबाद में हुआ था, जहां वह अपना कार्यक्रम पेश करने गई थीं।

कामना **आधुनिक होता दौर भी इस परंपरा को डिगा नहीं सका है,बल्कि इसमें अब ज्यादा संवेदनशीलता दिखती है**

पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं सुहागिन करवा चौथ व्रत

इलाहाबाद ■ एजेंसी

सफल और खुशहाल दाम्पत्य जीवन की कामना के साथ रविवार को उत्तर प्रदेश समेत समूचे देश में सुहागिन महिलायें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। आधुनिकता की चकाचौंध ने भले ही सभी तीज-त्यौहार को प्रभावित किया हो, लेकिन सदियों पुराना करवा चौथ का व्रत सुहागिन स्त्रियाँ पति की दीर्घायु के लिए श्रद्धा एवं विश्वास के साथ करती हैं।

बढ़ा पर्व का आकर्षण: मोबाइल फोन और इंटरनेट के दौर में 'करवा चौथ' के प्रति महिलाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आई बल्कि इसमें और आकर्षण बढ़ा है। शास्त्रों-पुराणों में वर्णन मिलता है कि यह व्रत जीवन साथी के स्वस्थ और दीर्घायु होने कि कामना से किया जाता था। पर्व का स्वरुप थोड़े फेरबदल के साथ अब भी वही है।

समर्पण और प्रेम की अभिव्यक्ति: कभी करवाचौथ पत्नी के, पति के प्रति समर्पण का प्रतीक हुआ करता था, लेकिन आज यह पति-पत्नी के बीच के सामंजस्य और रिश्ते की ऊष्मा से दमक और महक रहा है। आधुनिक होता दौर भी इस परंपरा को डिगा नहीं सका है, बल्कि इसमें अब ज्यादा संवेदनशीलता, समर्पण और प्रेम की अभिव्यक्ति दिखाई देती है।

कुवांरी कन्याए भी करती है व्रत: कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करकचतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य एवं सौभाग्य की कामना करती हैं।

पति भी करते है व्रत

समाजशास्त्र से एमए कर रही अनु तिवारी ने बताया कि करवा चौथ के दिन अब पत्नी ही नहीं पति भी व्रत करते हैं। यह परंपरा का विस्तार है। करवा चौथ को अब सफल और खुशहाल दाम्पत्य की कामना के लिए किया जा रहा है।

आधुनिकता का प्रवेश

करवाचौथ अब केवल लोक-परंपरा नहीं रह गई है। पौराणिकता के साथ-साथ इसमें आधुनिकता का प्रवेश हो चुका है और अब यह त्योहार भावनाओं पर केंद्रित हो गया है। हमारे समाज की यही खासियत है कि हम परंपराओं में नवीनता का समावेश लगातार करते रहते हैं। यह पर्व पति-पत्नी तक ही सीमित नहीं हैं। दोनों चूंकि गृहस्थी रुपी गाड़ी के दो पहिये है। निष्ठा की धुरी से जुड़े हैं इसलिए संबंधों में प्रगाढता के लिए दोनो ही व्रत करते हैं।

नए रिश्ते में बंधे कपल्स के लिए खास होगा पहला 'करवाचौथ'

शादीशुदा महिलाओं के लिए करवा चौथ का त्योहार बेहद खास होता है। पति की लंबी उम्र के लिए इस दिन सुहागिनें व्रत रखती हैं और रात को चंद्र दर्शन के बाद व्रत खोलती हैं। करवा चौथ के त्योहार को देखें तो इसमें पति-पत्नी के रिश्ते की खूबसूरती देखने को मिलती है। एक-दूसरे के लिए प्यार और समर्पण का भाव इस त्योहार को इतना खास बना देता है कि बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर करवा चौथ को शामिल किया जाता है। ऑनस्क्रीन ही नहीं, ऑफस्क्रीन भी करवा चौथ का त्योहार सेलेब्रिटीज के बीच काफी मशहूर है। बच्चन फैमिली समेत तमाम परिवारों में करवा चौथ परंपरागत तरीके से सेलिब्रेट किया जाता है। इस बार 8 अक्टूबर रविवार को करवा चौथ मनाया जा रहा है, जो ऐसे जोड़ों के लिए अधिक मायने रखता है, जिनकी शादी हाल-फिलहाल में ही हुई है। उनका ये पहला करवा चौथ होगा, जिसे यादगार बनाने में वो कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

संपादकीय

संवेदनहीन हड़ताल

मरीजों की मौत का जिम्मेदार कौन

हरियाणा के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान पीजीआई रोहतक में नवजात शिशु के चोरी होने के बाद उपजा घटनाक्रम चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों की पेशागत और नैतिक जवाबदेही पर सवालिया निशान लगाता है। आखिर दो दर्जन से अधिक मरीजों की चिकित्सकों की हड़ताल के दौरान मौत और सैकड़ों मरीजों की बदहाली के लिये कौन जिम्मेदार है? यह भी कि इस हड़ताल से हासिल क्या हुआ? क्या मिला कि हड़ताल समाप्त कर दी गई। आवश्यक सेवाओं के क्रियान्वयन में हड़ताल पर पाबंदी के बावजूद पीजीआई के जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल की। दलील थी कि पुलिस चिकित्सकों को पूछताछ के लिये थाने बुला रही है। जिस परिवार का जिगर का टुकड़ा लेबर वार्ड के भीतर से चोरी हुआ उसका आक्रोशित होना स्वाभाविक है। यह अस्पताल के प्रति विश्वास की हत्या ही है जिनके हाथों बच्चे का जन्म हो, वहीं के कुछ लोगों की मिलीभगत से बच्चा गायब हो जाए। ड्यूटी पर तैनात जिम्मेदार लोगों का गायब होना ?और सीसीटीवी कैमरे का न चलना कई सवालों को जन्म देता है। लगातार धरने पर बैठे परिजनों के आक्रोश के चलते यदि पुलिस डॉक्टरों से पूछताछ करती है तो इसमें क्या गलत है? विगत में भी बच्चे बदलने की घटनाएं पीजीआई रोहतक में हुई हैं। ऐसे में पुलिस का पूछताछ करना तो बनता है।

बीते दस सितंबर को नवजात शिशु के लापता होने के बाद पीजीआई रोहतक में घटनाक्रम तेजी से बदला। कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई । पीजीआई निदेशक को इस्तीफा देना पड़ा। संस्थान की छवि धूमिल हुई और लोगों का विश्वास उठा। मगर इसके बाद चिकित्सकों की हड़ताल की तार्किकता गले नहीं उतरती। छोटे हितों के लिये पेशेगत जवाबदेही को ताक पर रखने को कोई उचित नहीं ठहरा सकता। उन्हें स्वीकारना चाहिए कि बच्चे का लापता होना एक आपराधिक लापरवाही है जिसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए और दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही तमाम मरीजों का जीवन दांव पर लगाने वाली हड़ताल के औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। संस्थान प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में कोई भी बच्चा चोरी न होने पाये। इसके लिये सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएं और साथ ही चिकित्सकों व कर्मचारियों को जवाबदेह बनाया जाये। हरियाणा सरकार को भी इस मसले की गंभीरता को समझते हुए कोताही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। तभी भविष्य में नवजातों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पायेगी। डाक्टरों को?भी अपनी जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए कि उनकी हड़ताल से कितने लोग असमय मौत के मुंह में चले गये। शाह?ही यह भी कि इस हड़ताल से ?उन्हें क्या हासिल हुआ।

फिर सपा सुप्रीमो

साझा विपक्षी मोर्चे की खुली राह

जिसका यूपी के दिलों पर राज, उसी के सर दिल्ली का ताज, इस राजनीतिक सत्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बेहतर कोई नहीं जानता, जिन्होंने उ.प्र. विधानसभा की 80 सीटों में से 73 भाजपा की झोली में डाल लीं। अखिलेश यादव के समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पद पर दोबारा चुने जाने से साफ है कि इस दल के भीतर के दंगल का फाइनल हो चुका है। बाकायदा संविधान संशोधन के जरिए खुद को तीन के बजाय पांच साल के लिए सुप्रीमो नियुक्त कराके अखिलेश ने पार्टी पर पकड़ का अहसास करा दिया है। हालांकि पूर्व सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह और उनके दाहिने हाथ शिवपाल यादव पार्टी के इस महत्वपूर्ण सम्मेलन से बाहर ही रहे, लेकिन तय है कि पार्टी की कमान अब युवा पीढ़ी के हाथों में आ चुकी है। हालांकि, अखिलेश की रीति-नीति से साफ है कि सपा अब उन समाजवादियों की पार्टी नहीं रही, जो कांग्रेस विरोध की बिनाह पर यूपी में खड़ी हुई थी। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ सीट साझा करने के फैसले से अखिलेश की छवि एक ऐसे नेता के रूप में उभरी जो अन्य पार्टियों के साथ मिलकर चल सकता है।

मुलायम कालीन सपा की यूपी की एक और बड़ी ताकत बीएसपी की मुखिया मायावती के साथ कड़ुर अदावत थी। तल्खी इस हद तक थी कि सपा-बसपा के सीट साझा करने की संभावनाओं को असंभव बना दिया। कयास लगाये जा रहे हैं कि अखिलेश बसपा सुप्रीमो मायावती के साथ गठजोड़ की संभावनाएं तलाश सकते हैं। नई साझेदारी की संभावनाओं पर विचार शायद मायावती भी सिरे से खारिज नहीं कर पाएंगी। वजह है नए सपा सुप्रीमो और उनके सिपहसालारों पर गेस्टहाउस कांड का साया नहीं पड़ा है। 2019 के आम चुनावों से पहले ही यूपी के धर्मनिरपेक्षता अलंबरदार विपक्ष की परीक्षा लोकसभा सीटों के लिए उन उप-चुनावों में हो जाएगी, जो यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से खाली होंगी। 2019 की जंग में भाजपा को कोई कितना भी कमजोर दिखाए या सत्ता की विफलताओं का ठीकरा मोदी-योगी के सर फोड़े, धरातल की सच्चाई यही है कि विपक्षी दलों की एकजुटता के बगैर सफल होने की संभावनाएं बन ही नहीं सकतीं। ऐसे में अखिलेश, राहुल गांधी और मायावती को न केवल साझा मंच पर खड़े नजर आना होगा बल्कि एहसास भी दिलाना होगा कि यूपी का विपक्ष धर्मनिरपेक्ष भारत की छवि बरकार रखने के लिए सच्चे मन के साथ एकजुट है।

ज्ञान गंगा -पं श्रीराम शर्मा

भावना, संवेदना से मिलता है आनंद

संसार तभी आनंद देगा जब इसमें रहने वाला, यहां अपना दैनंदिन जीवन बिताने वाला मनुष्य भावनाओं और संवेदनाओं से भरा होगा। भाव-संवेदना रूपी गंगोत्री के सूख जाने पर व्यक्ति निष्ठुर बनता चला जाता है। आज का सबसे बड़ा दुर्भिक्ष इन्हीं भावनाओं के क्षेत्र का है। जब भी इस संसार में कोई अवतारी चेतना आई है, उसने एक ही कार्य किया- मनुष्य के अंदर से उस गंगोत्री के प्रवाह के अवरोध को हटाना और सृजन-प्रयोजनों में उसे नियोजित करना। कुछ कथानकों द्वारा व दृष्टांतों के माध्यम से इस तथ्य को भलीभांति समझा जा सकता है।

देवर्षि नारद एवं वेद व्यास के वार्तालाप के एक तथ्य से स्पष्ट होता है कि मानवीय गरिमा का उदय जब भी होता है, सबसे पहले भावचेतना का जागरण होता है। तभी वह ईश्वर-पुत्र की गरिमामय भूमिका निभा पाता है। चैतन्य जैसे अंतर्दृष्टि-संपन्न महापुरुष भी शास्त्र-तर्क मीमांसा के युग में इसी चिंतन को दे गए। भाव श्रद्धा के प्रकाश में मनुष्यता, जो कि इस समय में कहीं खो गई है, उसे पुन- पाया जा सकता है। पीतांबरा मीरा जीवनभर करुणा विस्तार का, ममत्व का ही संदेश देती रहीं। जब संकल्प जागता है, तो अशोक जैसा निष्ठुर भी बदल जाता है। अशोक एक मामूली व्यक्ति से अशोक महान बन जाता है। जीसस का जीवन करुणा के जन-जन तक विस्तार का संदेश देता है। दक्षिण अफ्रीका में वकालत सीखने-करने पहुंचे मोहनदास गांधी नामक एक सामान्य शख्स इसी भाव-संवेदना के जागरण के कारण एक घटना मात्र से महात्मा गांधी बन गए और जीवन भर आधी धोती पहनकर एक पराधीन राष्ट्र को स्वतंत्र करने में सक्षम हुए। टक्कर बाप के जीवन में भी यही क्रांति आई।

वस्तुत- अवतारी चेतना जब भी सक्रिय होती है, इसी रूप में व्यक्ति को बेचैन करके उसके अंतर्मन को आमूलचूल बदल डालती है। ये भाव-संवेदना ही है, जो मनुष्य को गहराई से जोड़कर उससे महान कार्य करवा लेती है।

साख बनाए रखने की कोशिश

उपेन्द्र राय

सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला नया नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जीएसटी से लेकर नोटबंदी तक बार-बार हल्ला बोला जाता रहा है। लेकिन अब तक यह शोर-शराबा विपक्ष की तरफ से होता रहा है। इसलिए इसे परंपरागत विपक्षी दस्तूर मान कर हमेशा नजरअंदाज कर दिया गया। यहां तक कि इन आलोचनाओं के जवाब किसी पार्टी प्रवक्ता के हवाले करके मामले की इतिश्री कर ली जाती थी। बहुत हुआ तो वित्त मंत्री ने विपक्ष पर कोई व्यंग्य कर दिया या कुछ आंकड़े पेश करके अपनी सफाई दे दी। बस! लेकिन यह पहली बार है कि आग घर के भीतर से उठी है। इसलिए पहले से ही आर्थिक मोर्चो पर लड़ रही सरकार के लिए यह हमला न सिर्फ अप्रत्याशित है बल्कि गंभीर भी। खास कर अगले साल चार राज्यों के विधानसभा चुनाव और फिर 2019 में मोदी की वापसी के लिए लड़े जाने वाले लोक सभा चुनाव को देखते हुए। लिहाजा, जीएसटी के पैटर्न में बदलाव और कारोबारियों के लिए राहत लेकर वित्त मंत्री अरु ण जेटली सामने आए हैं। सोना कारोबारियों के लिए भी राहत की खबर है। इसके अलावा, लाखों फर्जी कम्पनियों को भी बंद किया गया है, जिन्हें भ्रष्टाचार मिटाने की पहल के तहत नोटबंदी के दौरान गलत करते हुए बैंकों ने पकड़ा था। इनमें से हर खबर और ऐसी ही अन्य खबर देश को सुकून पहुंचा रही है। और, ऐसा तब हो रहा है, जब आर्थिक मोर्चे पर 40 महीनों में अब तक के सबसे बड़े हमले का सामना मोदी सरकार कर रही है। पूर्व एनडीए सरकार के वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा और फिर पत्रकार-अर्थशास्त्री अरु ण शौरी ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया, तो जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री को खुद मैदान में उतरना पड़ा साही समय का इंतजार करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मौका मिला इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के गोल्डन जुबली कार्यक्रम में। प्रधानमंत्री ने न केवल अपनी सरकार की आर्थिक नीतियों का बचाव किया, बल्कि आलोचना करने वालों को निराशावादी बता कर उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। मोदी ने जोर देकर कहा कि वर्तमान के लिए भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। गौरतलब है कि बीजेपी सरकार अपनी आर्थिक नीतियों को दीर्घकालिक परिणाम देने वाला बताती रही है, जिसकी यह कह कर आलोचना की जाती रही है कि जब वर्तमान ही नहीं बचेगा तो भविष्य किसके लिये होगा? तीन साल की उपलब्धियों को बखान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि देश में 56 फीसद लाइफ टाइम निवेश इसी दौरान हुआ है। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो हर विरोध का मुंहतोड़ जवाब है। उन्होंने 3 साल में सोशल इंजीनियरिंग को मजबूत करने का भी दावा किया है। इसका अगर मतलब निकाला जाए तो जाति-धर्म से ऊपर उठते हुए उन्होंने विकास की मुख्यधारा से गरीब तबके को जोड़ा है, ऐसा वह कहना चाहते हैं। चाहे उज्ज्वला योजना से गरीब माताओं के आंसू पोंछने की बात हो या हर घर में बिजली और हर सिर पर छत की पहल की बात, मोदी सरकार ने निश्चित रूप से युगप्रवर्तनकारी पहल की है। करोड़ों लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना, जीडीपी की 9 फीसद कैश से देश को चलाकर दिखाना कोई मामूली बात नहीं है मोदी सरकार पर हमला आंकड़ों के हथियार से किया गया है। इसलिए प्रधानमंत्री ने आंकड़ों से ही अपना

जवाब दिया। उन्होंने यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार के अंतिम तीन सालों और अपनी सरकार के शुरुआती तीन सालों की आर्थिक उपलब्धियों का ब्योरा रखा। मोदी ने कहा कि यूपीए सरकार के छह सालों के दौरान आठ बार जीडीपी की दर 5.7 प्रतिशत या उससे भी नीचे दर्ज की गई। जीडीपी में उतार-चढ़ाव को आर्थिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा मानते हुए प्रधानमंत्री ने आलोचकों की तुलना महाभारत में कर्ण के सारथी शल्य से की। मोदी ने किसी का भी नाम लिए बगैर कहा कि उनकी सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाने वाले लोग शल्य की तरह निराशावादी हैं, जिन्हें पहचानने की जरूरत है। लेकिन यशवंत सिन्हा ने प्रधानमंत्री का जवाब देते हुए कहा कि वह शल्य नहीं, भीष्म हैं। महाभारत में भीष्म चुप रह गए थे, लेकिन वह चुप नहीं रहेंगे और अर्थव्यवस्था का चीरहरण नहीं होने देंगे। सिन्हा ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि उनका जवाब देने खुद प्रधानमंत्री आगे आ गए। गौरतलब है कि यशवंत सिन्हा ने अपने आलेख में लिखा था कि नोटबंदी और जीएसटी के साथ वित्तीय कुप्रबंधन ने देश की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दिया है और वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर निचले स्तर तक गिर गई है। वैसे तो प्रधानमंत्री से पहले वित्त मंत्री अरु ण जेटली भी यशवंत सिन्हा का जवाब दे चुके हैं, लेकिन उसे गंभीर जवाब न मान कर व्यक्तिगत आक्षेप की तरह देखा गया। इसके बाद यशवंत के पुत्र और मोदी सरकार में मंत्री जयंत सिन्हा को तकरे के साथ उतार कर पिता की आलोचनाओं को काटने की कोशिश की गई, जो असरदार नहीं रही। माना गया कि पार्टी ने पिता का जवाब देने के लिये जानबूझ कर पुत्र को चुना है। खुद यशवंत सिन्हा ने भी कहा कि वह पार्टी की कार्यशैली से वाकिफ हैं, और जयंत उनका जवाब देने क्यों आए, यह वह जानते हैं। यही नहीं, यशवंत ने सवाल किया कि अगर जयंत सिन्हा आर्थिक मामलों के इतने ही जानकार हैं, तो मोदी सरकार ने उन्हें वित्त मंत्रालय से क्यों हटाया? जयंत ने पिता यशवंत सिन्हा के तकरे को खारिज करते हुए कहा कि मोदी सरकार के आर्थिक सुधारों को दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। जयंत ने कहा कि एक या दो तिमाही की जीडीपी या आर्थिक आंकड़ों के आधार पर सुधारों का आकलन नहीं किया जा सकता। जयंत ने दावा किया कि नई अर्थव्यवस्था अगली पीढ़ी के लिए है, जो मजबूत और स्थायी होगी। आर्थिक स्वास्थ्य को लेकर छिड़ी इस बहस में यशवंत के बाद अरु ण शौरी के हमले ने आग में घी का काम किया। यशवंत का हमला कुछ दायरों में बंधा था, जबकि शौरी ने नोटबंदी को देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। उन्होंने नोटबंदी को काले धन को सफेद करने वाली कवायद करार दिया। शौरी ने नोटबंदी को मूर्खतापूर्ण कदम बताते हुए कहा कि नोटबंदी के चलते अर्थव्यवस्था सुस्त हो गई। शौरी ने कहा कि नोटबंदी वह घोटाला है जिसे सरकार ने अंजाम दिया है और जिनके पास काला धन था, उन्होंने इस कवायद में काले धन को सफेद कर लिया। अरु ण शौरी ने कहा कि इस सरकार में देश की आर्थिक नीतियां ढाई लोग मिल कर तय करते हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने दोहराया है कि दीर्घकालिक परिणामों वाले आर्थिक सुधारों के लिए वह बड़े फैसले लेने को तैयार हैं। उन्होंने आरबीआई के हवाले से यह भी कहा कि अगली तिमाही में जीडीपी बढ़ कर 7.7 प्रतिशत हो सकती है। निराशावादियों को गंभीरता से न लेने की सलाह देते हुए मोदी ने याद दिलाया कि बड़े-बड़े अर्थशास्त्रियों के होते हुए एक समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को कमजोर अर्थव्यवस्था वाले पांच देशों के समूह में रखा गया था। लेकिन आज भारत सबसे तेज आर्थिक वृद्धि वाले देशों में शुमार है।

> प्रधानमंत्री ने दोहराया है कि आर्थिक सुधारों के लिए वह बड़े फैसले लेने को तैयार हैं। आरबीआई के हवाले से यह भी कहा कि अगली तिमाही में जीडीपी बढ़ कर 7.7 प्रतिशत हो सकती है। निराशावादियों को गंभीरता से न लेने की सलाह देते हुए मोदी ने याद दिलाया कि बड़े-बड़े अर्थशास्त्रियों के होते हुए एक समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को कमजोर अर्थव्यवस्था वाले पांच देशों के समूह में रखा गया था। लेकिन आज भारत सबसे तेज आर्थिक वृद्धि वाले देशों में शुमार है।

प्रसंगवश

अस्थिर होते कामकाज की चुनौती

गिरीश्वर मिश्र

जीवन चलने-चलाने के लिए आर्थिक संसाधन जरूरी होते हैं, और श्रम के सहारे इन संसाधनों को अर्जित करना सभ्य समाज की स्वीकृत परिपाटी बन चुकी है। अत: जीवन के विकास की गति और दिशा आम तौर पर व्यक्ति के व्यवसाय पर निर्भर करती है। कभी यह सब जातिगत और वंशानुगत हुआ करता था, पर आज ''स्टार्टअप' के दौर में व्यक्ति का व्यावसायिक विकास ज्ञान, कौशल और उद्यमिता के मेल पर टिका हुआ है। वैश्वीकरण और निजीकरण के इस दौर में कार्य की प्रकृति और उसके कायदे-कानून बदल रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अस्तित्व में आने के साथ व्यापार का आकार-प्रकार भी बदल रहा है। सूचना और संचार के बलबूते टिके आधुनिक आर्थिक का ताम-झाम और कर्मियों का सारा काम निजी कंप्यूटर या लैपटॉप में सिमटता जा रहा है। कई कार्यालयों तो ऐसे देखने को मिल जाते हैं, जहांअब भौतिक/शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य नहीं रही। लोग अब घर से काम कर सकते हैं। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे के क्रम में व्यवस्थित पदानुक्रम या ''हायरारकी' की जगह बहुलता की ''हैटारकी' वाली संरचना ले रही है। साथ ही, अलग-अलग दूरदराज की जगहों पर रह कर भी लोग सक्रिय रूप से जुड़ कर काम सकते हैं। नये जमाने की ''वर्चुअल टीम' कुछ इसी तरह से काम करती है। जरूरत पड़ने पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए

> कामकाज में सबसे बड़ा बदलाव इस अर्थ में आ रहा है कि अब दीर्घकालिक स्थिरता के सुकून की जगह अस्थिरता और बेचैनी लेती जा रही है । बढ़ती मशीनों के चलते संगठनों का आकार छोटा होता जा रहा है, और

सलाह-मशविरा और बैठक का चलन बढ़ रहा है। काम की निगरानी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से की जा रही है। कुल मिला कर यह कह सकते हैं कि देश और काल की सीमाएं टूट रही हैं, और प्रौद्योगिकी के साये में पनप रही कामकाजी दुनिया एक संजाल (नेटवर्क) में कार्य कर रही है। पहले व्यापार और कार्य की दुनिया प्राय: उत्पादन से जुड़ी होती थी पर अब दृश्य बदल रहा है। अब पांच में से तीन काम या नौकरी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) में आते हैं, न कि उत्पादन के। ज्यादातर कार्य ऐसे होते जा रहे हैं, जिनमें एक व्यक्ति के बदले कई लोगों की टीम की भूमिका केंद्रीय होती जा रही है। सबसे बड़ा बदलाव इस अर्थ में आ रहा है कि अब दीर्घकालिक स्थिरता के सुकून की जगह अस्थिरता और बेचैनी लेती जा रही है। बढ़ती मशीनों के चलते संगठनों का आकार छोटा होता जा रहा है, और ''पेपरलेस' कार्यस्थल में कर्मचारियों की भूमिका बदल रही है। व्यापारिक संस्थानों का विलय (मर्जर) और अवाप्ति (एक्विज़िशन) की बढ़ती घटनाओं ने व्यापार-वाणिज्य के माहौल को बदल डाला है। पूर्णकालिक (स्थायी) कर्मियों की जगह अंशकालिक और निविदा पर नियुक्ति बढ़ रही है। किसी भी संगठन के कर्मियों के समुदाय को देखें तो उनमें आयु, लिंग, आरक्षण, विकलांगता आदि के आधार पर विविधता बढ़ रही है। विविधता होने का अभिप्राय है कि कार्यस्थल पर भिन्न रु चियों, मनोवृत्तियों और संस्कृतियों को स्वाभाविक रूप से स्वीकार कर अंगीकार करना। अब कार्य की प्रकृति भी तरल किस्म की हो रही है, जो अपेक्षाकृत अधिक स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं है। साथ ही, कार्य के दायित्व के लिए चुने गए समूह के आकार-प्रकार में बदलाव आ रहा है, जिसमें भिन्न भिन्न देशों के सहकर्मियों के साथ कार्य करना आवश्यक होता जा रहा है। विकसित देशों में युवा वर्ग की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। आज ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और स्वीडन में पंद्रह से चौबीस वर्ष के बीच की उम्र के सत्तर प्रतिशत किशोर और युवा किसी न किसी रूप में काम कर रहे हैं। वहां बारहवीं तक पढ़ने जाने वाले ज्यादातर बच्चे बीस घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं। ये कर्मी अपने कार्य-स्थल में रमे रहते हैं, इसलिए उससे ज्यादा ही प्रभावित होते हैं। उनके लिए काम वर्तमान में उपलब्ध कौशलों के उपयोग का मौका देता है। कामकाज की दुनिया में प्रवेश ले रहे नए कर्मी अधिक सुपठित और प्रशिक्षित होते हैं क्योंकि उनकी शिक्षा माता-पिता की तुलना में अधिक हुई रहती है। वे तकनीकी दृष्टि से अधिक ज्ञान भी रखते हैं, स्थानीय के बदले उनकी व्यापक दृष्टि होती है, उन्हें चौबीसों घंटे काम से जुड़े रहने में भी कोई मुश्किल नहीं होती है। नये दौर में वे सांस्कृतिक बहुलता के परिवेश में पल-बढ़ रहे हैं, इसलिए वे कुछ मुक्तमना भी होते हैं, और प्रयोगशील भी। घर और कार्य-स्थल की सीमाएं धूमिल हो रही हैं, और अस्थिरता या अस्थायित्व से टकराने की चुनौती बढ़ती जा रही है। यह संक्रमण की वेला उत्साह के साथ तनाव भी दे रही है। परिवार के विचार और रिश्तों को जीने के लिए नये सूत्र और समीकरण की उनकी तलाश इसलिए जारी है।

परत-दर-परत

डॉ. लोहिया में खास क्या है

राजकिशोर

डॉ. राममनोहर लोहिया के प्रेमियों और प्रशंसकों को सवाल बुरा लग सकता है कि डॉ. लोहिया में खास क्या है। वे कहेंगे, उनकी हर चीज खास है, उनका चिंतन, उनकी राजनीति, उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे और सबसे बढ़ कर उनका व्यक्तित्व, जो प्रत्येक व्यक्ति को सदा के लिए उनके निकट ला देता था। सच तो यह है कि उनकी हर चीज खास थी, अनोखी थी, दूसरों से हट कर थी, इसीलिए भारत का परंपरागत समाज उन्हें पूरी तरह से स्वीकार नहीं कर पाया। हताशा में आ कर उन्होंने कहा था : लोग मेरी बात सुनेंगे, पर मेरी मृत्यु के बाद। डॉ. लोहिया की मृत्यु 12 अक्टूबर, 1967 को दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में हुई थी। तब से पचास वर्ष बीत चुके हैं। क्या आज कोई लोहिया की बात को सुनता नजर आ रहा है? कह सकते हैं, स्थिति ठीक उलटी है। 1967 में भारत एक नये उभार में था। कांग्रेस की संभावनाएं खत्म हो चुकी थीं, गैर-कांग्रेसवाद के नतीजे सामने आने वाले थे। ठीक ऐन मौके पर जब देश के अनेक राज्यों में साझा गैर-कांग्रेसी सरकारें बन चुकी थीं, और भारतीय राजनीति का यह अभिनव प्रयोग कसौटी पर था, उसके प्रणेता नहीं रहे। मेरा अनुमान है कि वह और दस साल भी जिंदा रहते तो आज भारतीय राजनीति की दिशा और होती लेकिन भारत की किस्मत ही कुछ ऐसी है कि जब किसी नेता की जरूरत सबसे ज्यादा रहती है, वह अनंत की यात्रा पर निकल चुका होता है। आजाद भारत को महात्मा गांधी की सबसे ज्यादा जरूरत थी। गांधी जी रहते, तो विकास की उस धारा पर राष्ट्रीय बहस हो सकती थी, जिसकी भयावह परिणतियों का सामना हम आज कर रहे हैं। जेपी तब चल बसे, जब जनता पार्टी की सरकार को अपनी भावी दिशा तय करनी थी। पिछले दो सौ साल के सभी भारतीय नेताओं को याद कीजिए और सोचिए कि गांधी और लोहिया को छोड़ कर कौन नेता ऐसा था, जिसने जीवन और समाज के लगभग सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया है? गांधी को ''दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना भाल' या ''शांति का दूत' तक सीमित रखना उनसे ज्यादा अपने साथ अन्याय है, क्योंकि इस स्थिति में हम गांधी से आज जो कुछ ले सकते हैं, नहीं ले सकते। गांधी के लिए स्वतंत्रता संघर्ष गौण चीज थी, जो उन्होंने बार-बार दुहराया भी। उनकी बुनियादी रु चि इसमें थी कि हम क्या खाएं, क्या पहनें, कैसे शौच करें, रोजगार कैसे हों, खेती कैसी हो, पशु पालन के लक्ष्य क्या हों, हमारे बच्चे कैसे पढ़ें, स्त्री-पुरुष संबंध कैसे हों, सरकार का ढांचा क्या हो, हमें शहर चाहिए या गांव, राज्य और नागरिक का रिश्ता क्या हो, विभिन्न समुदाय एक दूसरे के साथ कैसे रहें, युद्ध के सम्मुख हम क्या करें, वगैरह-वगैरह। यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि गांधी जी को भारत से और भारत की जनता से बहुत लगाव था। इसी कारण ही वे देश की मिट्टी से ले कर आसमान तक, प्रसव से ले कर मृत्यु तक, सोच सके और जो उन्हें ठीक लगा, वह हमारे सामने रख सके। मेरा निवेदन है कि गांधी के बाद लोहिया के ही मन में भारत के लोगों, यहां के भूगोल, इतिहास और भविष्य से इतना लगाव था। इसीलिए लोहिया की राजनीति को किसी एक या दो-चार बिंदुओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। लोहिया समाजवादी थे और वह समाजवाद ही क्या जो जीवन के बड़े से बड़े और छोटे से छोटे पहलू पर विचार न करे। भारतीय समाज की बनावट, उसके अंतर्संघर्ष, संस्कृति, इतिहास, साहित्य, जीवन पद्धति, जाति, रंग, भाषा, नर-नारी संबंध, इतिहास के पेच, सीमाओं की संवेदना, शिक्षा, विविद्यालय, पुरातत्व, नदियां, पेड़-पौधे, हिमालय, कृषि और उद्योग, कीमतों की लूट, हिंसा और अहिंसा का प्रश्न, अन्याय का सामना कैसे करें, उत्पादन कैसे बढ़े, विषमता कैसे कम हो, मानव अधिकारों को जीवन में कैसे प्रतिष्ठित किया जाए, शिष्टाचार, पोशाक, राजनैतिक दलों का संगठन, अनुशासन और स्वतंत्रता, क्रांति, विदेश नीति, पंचायत, जिला, सरकार, राष्ट्रवाद, विश्व सरकार यानी कोई ऐसा पहलू नहीं है, जिस पर लोहिया ने गहराई और सुसंगति के साथ विचार न किया हो। आखिर क्या बात है कि लोहिया के अलावा उनके समकालीन किसी भी नेता का ध्यान इस ओर नहीं गया कि अंग्रेजी ने अधिकांश भारतीयों की अभिव्यक्ति छीन ली है, जाति भारतीय मनुष्य को किस-किस तरह से पतित कर रही है, फैंसी स्कूल शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर रहे हैं, सीमाओं की सुरक्षा कैसे की जाए, नदियों को कैसे साफ रखा जाए, कीमतों में स्थिरता कैसे लाई जाए और अधिकतम और न्यूनतम आमदनी के बीच रिश्ता क्या हो; ये चीजें किसी अंधे को भी दिख सकती थीं। स्पष्ट है कि स्वतंत्र भारत का जो ढांचा बना, उसकी बुनियाद में संवेदना नहीं थी। देश-दुनिया से प्रेम नहीं था। जब प्रेम होता है, तब एक-एक जर्रे की हरकतें हमें स्पर्श करती हैं। डॉ. लोहिया में यही खास था। वे देश और धरती से प्रेम करते थे, इसलिए उनका सरोकार हर चीज से था। भविष्य में जब कोई अच्छी राजनीति बनेगी, तब वह भी सभी बीजों पर पुनर्विचार करेगी और साहसिक निर्णय लेगी।

सीएम योगी से नाराज हैं बीजेपी के नेता-वर्कर्स, निकाय चुनाव में पहुंचा सकते हैं नुकसान

लखनऊ.यूपी के सभी 16 नगर निगमों में प्रस्तावित निकाय चुनावों में बीजेपी खुद के नेताओं से ही लड़ाई लड़ने वाली है। दरअसल, ऐसी चर्चा है कि सीएम योगी से बीजेपी के नेता नाराज हैं। दरअसल, सीएम योगी के सख्त रवैये की वजह से अधिकारी भी बीजेपी के नेताओं की नहीं सुन रहे। साथी ही बीजेपी नेताओं को इस सरकार से कोई फायदा भी नहीं हो रहा। ऐसे में पार्टी से लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। संगठन से जुड़े एक नेता ने नाम न लिखने की शर्त पर कहा- कोई भी नेता अपना टाइम वेस्ट क्यों करेगा, जब सरकार से उसका कोई फायदा हो ही नहीं रहा।

योगी के फरमान से नाराज हैं बीजेपी नेता

बता दें, यूपी में नवंबर में निकाय चुनाव होने हैं। इसको लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं, बीजेपी निकाय चुनावों को लेकर चिंतित दिखाई दे रही है। क्योंकि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कई बीजेपी नेता और कार्यकर्ता नाराज हैं।

सीएम योगी ने भ्रष्टाचार को काबू करने के लिए साफ तौर से पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं को सरकारी कोटा, टेंडर और अन्य किसी प्रकार के लाभ के स्थान से दूर रहने को कहा है। साथ ही ये भी निर्देश हैं कि बीजेपी के नेता किसी की सिफारिश न करें। पार्टी नेताओं को ये भी हिदायत दी गई है कि किसी तरह से भी पुलिस वालों पर दबाव न बनाया जाए। सब नियम से होगा। इस वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की कोई सुन नहीं रहा है।

साथ ही खनन पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर भी बीजेपी नेताओं में नाराजगी है। उनका कहना है कि इससे निर्माण की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हम अपना काम तक नहीं कर पा रहे हैं। इन्हीं बातों से नाराज बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न लिखने की शर्त पर कहा- हम पार्टी में पिछले 7 साल से इसलिए शामिल नहीं हुए थे कि हम बस भीड़ इकट्ठा करने में जुटे रहें, जबकि अन्य लोग इसका फायदा उठाते रहें।

एक संगठन मंत्री से नाराज हो गए थे योगी

बता दें, सरकार बनने के बाद से ही सीएम योगी और उनके मंत्रियों पर संगठन का ही काम न करने का आरोप लगता रहा है। इससे पहले भी खबर आई थी कि बीजेपी के कद्दावर संगठन मंत्री ने योगी के पास अधिकारियों की पोस्टिंग लिस्ट लेकर पहुंचे थे।

इसपर सीएम योगी ने नाराजगी जताई थी और उनसे कहा था- 'आप संगठन सम्भालिए, सरकार में क्या करना है हम जानते हैं।' इसके पहले भी संगठन के शीर्ष नेताओं ने एक बैठक में कहा था कि किसी भी प्रदेश पदाधिकारी को टिकट नहीं मिलेगा।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी: योगी सरकार में जितने भी इनकाउंटर हो रहें हैं सभी फर्जी हैं

कानपुर.रविवार को बसपा से निष्कासित पूर्व नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी राष्ट्रिय बहुजन मोर्चा संस्था के जन सभा में हिस्सा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा- "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को भ्रमित कर रहें है। उन्होंने पहले जीएसटी लगाई और अब व्यपारियों को लालीपाप दिया है की दीपावली में जीएसटी छूट दी जाएगी। नसीमुद्दीन सिद्दीकी यहां के चमनगंज स्थित अजमेरी चौराहे पर राष्ट्रिय बहुजन मोर्चा संस्था के जन सभा में शिरकत करने आए हुए थे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और बसपा सुप्रीमो पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "योगी सरकार में जितने भी इनकाउंटर हो रहें हैं सभी फर्जी हैं। योगी ईमानदार है लेकिन तंत्र इतना बेईमान हो चुका है की ईमानदारी से कोई भी काम नहीं चल सकता।" "बसपा पार्टी तो ठीक है लेकिन उसको चलाने वाली ठीक नहीं है।

इंदौर की तर्ज पर स्मार्ट बनेगा लखनऊ, प्रमुख सचिव ने 8 पॉइंट्स पर तैयार की रिपोर्ट

लखनऊ.यूपी की राजधानी को स्मार्ट सिटी बनाने की कवायद सरकार ने शुरू कर दी है। प्रमुख सचिव नगर विकास की अध्यक्षता में 18 लोगों की टीम इंदौर की सफाई व्यवस्था को समझने के लिए 2 दिनों के स्टडी टूर पर गई थी। वापस आकर प्रमुख सचिव ने लखनऊ व अन्य निगमों से इंदौर की तुलना करके एक रिपोर्ट बनाई और उसको चीफ सेक्रेटरी (सीएस) को सौंपी। स्टडी टूर पर गई टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, यदि हमें स्मार्ट सिटी की लिस्ट में टॉप पर रहना है तो हर अधिकारी कर्मचारी को 14 घंटे तक काम करना होगा। इसे नौकरी नहीं जनसेवा मानना होगा। टीम ने इन पॉइंट्स पर तैयार की रिपोर्ट...

1.इंदौर में सफाई एवं व्यवस्था

इंदौर में सफाई कर्मी 2 शिफ्ट में काम करते हैं। सुबह 6 से 10 बजे तक। फिर दोपहर 2 से 6 बजे तक। 12 सफाई करने वाली मशीनें भी लगाई गई हैं, जो सिर्फ रात में ही काम करती हैं। इनका इस्तेमाल रात 11 बजे से किया जाता है। इनसे हर रोज 400 किलोमीटर सफाई की जाती है। एक मशीन का मंथली किराया सवा 7 लाख रुपए आता है। इंदौर में सफाई कर्मियों की मॉनिटरिंग के लिए हर वार्ड में सफाई दारोगा की नियुक्ति की गई है। उसके ऊपर भी निगरानी के लिए जोनल चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर की व्यवस्था बनाई गई है। फिर उनके ऊपर जिला स्वास्थ्य अधिकारी हैं।

लखनऊ में क्या होगा

लखनऊ नगर निगम एरिआ को 8 जोन में बांटा गया है। सफाई कर्मी सुबह दोपहर और शाम 3 शिफ्ट में काम करेंगे। सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच, दोपहर में 12 बजे लंच के बाद से 3 बजे के बीच और शाम को 5 से 8 बजे तक। शाम को सिर्फ ज्यादा भीड़ भाड़ वाले कुछ ही इलाकों को चुना जाएगा, जिनमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एरिआ, टैक्सी स्टैंड इत्यादि। वहीं, दोपहर में काम करने वालों को 'सफाई गैंग' के नाम से जाना जाएगा। दोपहर 12:30 बजे सभी 8 जोनों के सफाई कर्मियों को गाड़ियों से एक ही जोन में लाया जाएगा। इसके बाद ये सफाई कर्मी इस जोन की हर एक गली, चैराहे और पार्कों की सफाई गैंग बनाकर करेंगे। इस तरह हर जोन को एक दिन चुना जाएगा। ये काम रोटेशन वाइज होगा। जेई, एई और अन्य सभी को 14 घंटे स्वेच्छा से काम करने को कहा जाएगा। शुरुआत में इसे 8 घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे की नौकरी के रूप में ही कराने का प्लान है।

लखनऊ में जनसंख्या और कर्मचारी

लखनऊ की आबादी 2011 जनसंख्या के अनुसार 45 लाख है। जिसमें नगर निगमों में रहने वाली जनसंख्या 28 लाख 17 हजार 106 है।

लखनऊ नगर निगम में 2300 नियमित कर्मचारी हैं। 1 हजार संविदा सफाई कर्मचारी। 3 हजार आउटसीसिंग पर रखे गए हैं। 4 झाड़ू लगाने वाली मशीन हैं।

सड़क किनारे पड़े थैले में मिली 2 घंटे पहले पैदा हुई बच्ची

लखनऊ.राजधानी में लोहिया पथ पर एक युवक को नवजात बच्ची गुटखे के थैले में पड़ी मिली। उसका शरीर पूरी तरह से नीला पड़ चुका था। सूचना पर पहुंचे दो कांस्टेबल ने लोहिया हॉस्पिटल में एडमिट कराया। डॉक्टरों का कहना है, "बच्चे को देखकर लग रहा है, 2 घंटे पैदा पहले हुई है और 24 घंटे तक थैले में रहने के कारण उसे ऑक्सीजन नहीं मिली। इसी वजह से बॉडी नीली पड़ गई। बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना लोहिया पथ स्थित एचएएल की है। यहां सड़क किनारे कोई कमला पसंद(गुटखा) के थैले में एक नवजात बच्ची को छोड़ गया। शनिवार को गोमतीनगर के डिगडिगा के रहने वाले मुकेश कुमार वर्मा (32) नैनीताल ट्रिप से लौट रहे अपने बेटे अरुण को लेने बस स्टैंड जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने रोड पर पड़े थैले में अचानक हलचल देखी। युवक के मुताबिक, "पास जाकर थैला खोला तो उसमें एक नवजात बच्ची थी। उसका पूरा शरीर नीला पड़ चुका था। तुरंत पास की पॉलीटेक्निक चौकी पर सूचना दी। मौके पर कान्स्टेबल अनुराग पांडेय और घनश्याम राय पहुंचे और बच्ची को लोहिया हॉस्पिटल पहुंचाया।"

क्या कहना है डॉक्टर का

मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट ऑफ हॉस्पिटल एमएल भार्गव ने बताया, "बच्ची का वजन 2.6 किलो है। अभी उसे मॉस्क से ऑक्सीजन दिया जा रहा है। उसी हालत अभी नाजुक बनी हुई है। वो दूध भी नहीं पी पा रही है। 48 से 72 घंटे बाद ही बच्चे की सेहत के बारे में पूरी जानकारी दे पाएंगे।" बाल कल्याण समिति ने बच्ची को प्रागनारायण रोड स्थित राजकीय बाल गृह शिशु को सौंपने के आदेश दिए हैं।

प्लास्टिक बिजनेसमैन की गोली मारकर हत्या, आक्रोशित हुई भीड़

कानपुर. यहां शनिवार देर रात थाना चमनगंज इलाके में एक प्लास्टिक कारोबारी की गोली मार दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कारोबारी को हैलेट पहुंचाया मगर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रविवार को साथी कारोबारियों ने पोस्टमार्टम में देरी होने पर सड़क जाम कर दी। आते जाते राहगीरों की जमकर पीटाई भी की। फलिहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। किदवईनगर का विमल गुप्ता (65) की भन्नानापुरवा में कई साल से प्लास्टिक फैक्ट्री चलती थी।

पनकी में नई फैक्ट्री खुल जाने से उन्होंने कारखाने का इस्तेमाल गोदाम के रूप में करना शुरू कर दिया था। शाम लगभग 5 बजे कारोबारी के वकील उनसे मिलने गए थे।

गोदाम में विमल का लहूलुहान बॉडी पड़ा था। जानकारी होने पर कारोबारी के भतीजे रोहित पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आनन-फानन ने कारोबारी को हैलट भेजा, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कारोबारी के सिर पर गहरा घाव होने से पहले गोली मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की अंगूठी हाथ और सोने की चेन भी गायब होने की बात आई है।

लखनऊ: पुलिस बूथ में महिला से रेप की कोशिश, आरोपी युवक अरेस्ट

लखनऊ.यहां एक महिला से शनिवार देर रात पुलिस बूथ में रेप करने की कोशिश की गई। महिला की चीख पुकार सुन आस-पास के लोगों ने युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया है। आरोपी की पहचान निरालानगर इलाके के लाल कॉलोनी निवासी राहुल चौधरी के रूप में हुई।

युवक को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा

पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात करीब 12 बजे के आस-पास हसनगंज कोतवाली के डालीगंज में एक बंद पड़े पुलिस बूथ में एक बुजुर्ग महिला से एक युवक रेप की कोशिश कर रहा था। महिला विक्षिप्त बताई जा रही है। इस घटन को सबसे पहले देखनी वाली महिला हुस्नआरा ने बताया- 'रात को एक महिला के चीखने की आवाज आ रही थी। वहां कई मकान थे तो मुझे लगा कि पति-पत्नी लड़ रहे हैं। मैं पास गई तो देखा आवाज मकान से नहीं पुलिस बूथ से आ रही है।'

'वहां एक औरत नग्नअवस्था में थी जो चीख रही थी और एक लड़का उसका रेप करने की कोशिश कर रहा था। मैं वहां चिल्लाने लगी और लोगों को बुलाया।' 'मेरी आवाज सुन कर लड़का भागने लगा, तब तक आस-पास के लोग आ गए और उसे पकड़ लिया।'

बिहार

गरीब घर में पैदा हुए लालू बताएं कैसे बन गए अरबों की संपत्ति के मालिक : डिप्टी

पटना.प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि लालू प्रसाद को अपनी अकूत संपत्ति का हिसाब तो देना ही होगा। पहले ये ही लोग चिल्लाते थे कि कालाधन नहीं आया, जब कालेधन के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई तो छटपटाहट होने लगी है। आखिर, गरीब के घर में पैदा होने वाले लालू प्रसाद अरबों की संपत्ति के मालिक कैसे बन गए इन सवालों का जवाब तो उन्हें देना ही होगा। मोदी ने कहा कि पिछली सरकार में जिन विभागों की जिम्मेदारी राजद के मंत्रियों के जिम्मे थी, उसकी दुर्दशा हो गई है। उन्हें दुरुस्त किया जा रहा है। इस साल आई भीषण बाढ़ में केंद्र और राज्य की सम्मिलित पहल की थी तारीफ की। मुहर्रम में अशांति के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ऐसे लोक सफल नहीं होने वाले। ललन-हृदयानंद को बनाया बलि का बकरा :मोदी ने लालू प्रसाद व राबड़ी देवी पर काली कमाई से अर्जित बेनामी संपत्ति को हथियाने के लिए गरीब चपरासी ललन चौधरी और रेलवे के खलासी हृदयानंद चौधरी को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाया। कहा- पटना शहर की कीमती जमीन को ललन चौधरी व हृदयानंद चौधरी ने राबड़ी देवी और उनकी बेटी हेमा यादव को 2014 में गिफ्ट किया था। दोनों के नाम से बेनामी संपत्ति खरीदी गई और बाद में दान कराकर कब्जे में ले लिया गया। इसके लिए ललन चौधरी को राबड़ी देवी के मुख्यमंत्रित्वकाल में विधान परिषद में चपरासी तथा लालू प्रसाद के रेलमंत्री रहने के दौरान हृदयानंद चौधरी को रेलवे में खलासी की नौकरी दी गई। अस्पतालों में मिलेगी मूलभूत सुविधाएं : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रदेश के हर अस्पताल में लोगों को जरूरत की तमाम सुविधाएं मिलेंगी।

आवास बोर्ड की जमीन पर एसडीओ बनावा रहे थे मकान, पुलिस ने कर लिया गिरफ्तार

पटना.आवास बोर्ड ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रामीण कार्य विभाग के एसडीओ को गिरफ्तार कर लिया। एसडीओ पर आरोप है कि वे दीघा में आवास बोर्ड की जमीन पर अवैध रुप से कब्जा कर अपना मकान बनवा रहे थे। दीघा में आवास बोर्ड की जमीन पर ग्रामीण कार्य विभाग के एसडीओ अवैध रुप से अपना मकान बनावा रहे थे। आवास बोर्ड के अधिकारियों को इस बात की सूचना मिल गयी। सूचना मिलने पर आवास बोर्ड के अधिकारी ने तत्काल इसकी सूचना एसएसपी पटना को दी।

एसएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राजीव नगर थाने को इसकी जांच का आदेश दिया।

जांच में आरोप सही पाये जाने पर आवास बोर्ड के अधिकारी के बयान पर ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारी सुमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस के कार्यक्रम में नहीं पहंचे अशोक, कांग्रेसियों ने कहा लालू की बी टीम नहीं बनेंगे

पटना.बिहार प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस बिहार में लालू प्रसाद की 'बी' टीम बनकर नहीं रहेगी। कांग्रेस हमेशा देश मे नंबर वन रही है और आगे भी रहेगी। हालांकि, यह फैसला पार्टी के आला कमान को करना है, लेकिन प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी आलाकमान को अपनी भावनाओं से अवगत करा दिया है। चौधरी को बांधकर तो लाया नहीं जा सकता...

बिहार प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी ने निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मेलन की जानकारी देने के लिए रविवार को प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया था। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रेम चंद्र मिश्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश सिंह समेत कई सीनियर नेता शामिल हुए।

कार्यकारी अध्यक्ष कादरी ने बताया कि पार्टी की ओर से सोमवार को सदाकत आश्रम में निर्वाचित प्रतिनिधियों का एक सम्मेलन बुलाया गया है।

जो प्रतिनिधि निर्वाचित घोषित किए गए हैं उन्हें सम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया जा चुका है।

कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, सांसद रंजीता रंजन, पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार समेत बिहार के चुनाव पदाधिकारी और राज्यसभा सांसद प्रदीप भट्टाचार्य भी शामिल रहेंगे।

हमारी कोशिश है सबको साथ लेकर चलने की।

कांग्रेस के सीनियर नेता अखिलेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस बिहार में राजद की बी टीम बनकर नहीं रहना चाहती है।

वो अपने बूते प्रदेश में एक बड़ा जनाधार लाना चाहती है।

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद वे कांग्रेस के नेता हैं।

कांग्रेस-राजद के संबंधों पर बोले कि कांग्रेस राजद की 'बी' टीम नहीं रहेगी।

नई नीति में सब्सिडी खत्म करने की सिफारिश, गया से प्रस्थान नहीं कर पाएंगे हज यात्री

नई दिल्ली/पटना.साल 2018 से लागू होने वाली नई हज नीति का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। शनिवार को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को सौंपे गए ड्राफ्ट में हज सब्सिडी खत्म करने का प्रस्ताव है। पूर्व सचिव अफजल अमानुल्लाह की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा तैयार ड्राफ्ट में कुल 16 सिफारिशें हैं। खर्च घटाने के लिए हज यात्रियों को हवाई जहाज के बजाय समुद्री रास्ते से भेजने का सुझाव भी दिया है। सूत्रों के मुताबिक ड्राफ्ट तैयार करते वक्त साल 2012 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का ख्याल रखा गया है। कोर्ट ने 2022 तक सब्सिडी खत्म करने को कहा था। सूत्रों के अनुसार सब्सिडी से बचने वाली रकम मुस्लिमों की शिक्षा, सशक्तिकरण और कल्याण पर खर्च की जाएगी। ड्राफ्ट पर अभी मंत्रालय विचार करेगा। मंजूर होने वाली सिफारिशों पर अमल से पहले संबंधित पक्षों से भी बातचीत की जाएगी।

हज यात्रियों के प्रस्थान के स्थान 21 से घटकर 9 होगा

45 साल से अधिक की महिलाएं 4 या अधिक के ग्रुप में बिना मेहरम हज पर जा सकेंगी। मेहरम यानी ऐसा पुरुष जिससे महिला कभी शादी न कर सके। जैसे पिता, भाई और बेटा। 45 से कम की महिलाएं मेहरम के साथ ही जाएंगी। मेहरम का कोटा भी 200 से बढ़ाकर 500 किया जाए। हज यात्रियों के प्रस्थान के स्थान 21 से घटाकर 9 करें। यह दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, अहमदाबाद, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोचीन में बनें। यहां हज हाउस भी बनाए जाएं। हज यात्री हवाई जहाज के बजाय समुद्री मार्ग से जाएं। सऊदी सरकार से चर्चा के बाद शिप ऑपरेटर्स से आवेदन मांगकर माकैट का अंदाजा ले सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बयान, कहा- रोहिंग्या मुसलमानों से देश को खतरा

आरा (बिहार).केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि रोहिंग्या मुसलमान अवैध घुसपैठिए हैं। ये देश के लिए खतरा हैं। उन्हे देश से बाहर जाना ही होगा। पीरो नगर में उपद्रव अत्यंत ही दुखद है। हिन्दुओं पर अत्याचार आए दिन हो रहा है, जो असहनीय है। पीरो कांड में निर्दोषों को नहीं फंसाया जाए, इसके लिए भोजपुर जिले के एसपी से हमारी बात हुई है। शांति समिति की बैठक में निर्णय लिया जाता है कि दशहरा व मोहर्रम जुलूस में कोई हंगामा नहीं होगा, लेकिन हो जाता है। आखिरकार ताजिया जुलूस का विडियो फुटेज कहां गया उसे पुलिस-प्रशासन क्यों नहीं देख रही हैं। बीजेपी कार्यकर्ता मदन स्नेही उपद्रवियों के गोली के शिकार हुए। विडंबना यह है कि पुलिस उन्हें ही आरोपी बनाती है। यह तुष्टिकरण की नीति बर्दाश्त से बाहर है। तुष्टिकरण की राजनीति से ही सामाजिक समरसता ध्वस्त हो रही है। एक वरीय पदाधिकारी के दबाव पर हिन्दुओं के साथ अन्याय हो रहा है। केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह पिछले दिन पीरो नगर में ताजिया जुलूस के दौरान उपद्रव में गोली लगने से घायल भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मदन स्नेही के स्वास्थ्य का हाल जानने डा कुमार जितेन्द्र के क्लिनिक में आए थे। मदन स्नेही से मुलाकात करने के बाद सर्किट हाउस में प्रेस-वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के विकास के लिए कृत संकल्पित है। बिहार को पूर्व घोषित सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज के अलावे भी कई बड़ी योजनाएं मिल चुकी है। देश में गरीबों के घर-घर तक बिजली पहुंचाने काम प्रधानमंत्री ने किया है।

विश्व हिन्दू परिषद ने कहा- शांति समिति के निर्णय की हुई अवहेलना

विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री सोना लाल ने पीरो में हुए उपद्रव को लेकर डीएम को ज्ञापन दिया है।

कहा कि पीरो में शांति समिति की बैठक में किसी भी समुदाय को पारंपरिक हथियार लाठी, डंडा, तलवार निकालने पर प्रतिबंध लगाया गया था। मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए प्रतिमा थाना के पास ही लाकर एकसाथ विसर्जन करने का निर्णय हुआ।

बिहार की उद्योग नीति सबसे बेहतर, भौगोलिक परिस्थितियों से नहीं आ रहे उद्यमी

पटना.खुला मंच की चौथी कड़ी में शनिवार को उद्योग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी मंत्री जय कुमार सिंह उपस्थित थे। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए दैनिक भास्कर के चयनित पाठकों के सवालों के जवाब दिए। कहा- पाठकों के सवाल से कार्ययोजना बनाने में मदद मिलेगी। पाठकों के सुझाव पर अमल किया जाएगा। मंत्री ने भास्कर के पाठक का आभार भी जताया।

मंत्री : देशभर में उद्यमियों के लिए सबसे बेहतर हमारी नीति है। 30 दिनों में सिंगल विंडो के तहत निवेश प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है। बिजली, जमीन और अनुदान में भी सरकार मदद दे रही है। इसके बावजूद भौगोलिक कारणों से नए उद्योग और निवेश नहीं हो पा रहे हैं। इसमें सरकार की गलती नहीं है। समुद्र के कारण गुजरात और महाराष्ट्र में यातायात की सस्ती और बेहतर सुविधा है। इससे वहां निवेश अधिक होता है। बैंकों का रवैया भी बिहार के प्रति ठीक नहीं है। बैंक मदद करे तो बिहार 5 से 7 साल में विकसित प्रदेश में बन जाएगा।

राजेश कुमार (नालंदा) : राख वाली ईंट को बढ़ावा देने के लिए सरकार की क्या नीति है 2015 से राख वाली ईंट (फ्लाईएश) का फैक्ट्री में प्रोडक्शन कर रहे हैं लेकिन, मार्केट नहीं मिल रहा है। सरकार से अनुदान भी नहीं मिला है। बैंक भी मदद नहीं कर रहा है

मंत्री : चरणबद्ध तरीके से राज्य में पके हुए लाल ईंट से मकान बनाने पर रोक लगेगी। इसकी जगह राख वाली ईंट को प्राथमिकता मिलेगी। अगले साल मार्च से तो सरकारी भवनों के निर्माण में राख वाली ईंट का ही उपयोग होगा। पहले चरण में सरकारी भवन, इंदिरा आवास के निर्माण में इसका उपयोग होगा। प्रदूषण नियंत्रण की दृष्टि से सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है। यदि नियमानुसार उद्योग लगाया गया है, तो अनुदान मिलेगा। आने वाले दिनों में राख वाली ईंट की खूब डिमांड होगी।

देवव्रत कुमार (फतुहा): 90 % कॉटनाशी दवा गुजरात से यहां आती है। लेकिन, बिहार में इसकी फैक्ट्री लगाने के लिए अनुमति नहीं मिल रही है।

उधना से बिहार के जयनगर तक दौडनेवाली साप्ताहिक अंत्योदय एक्सप्रेस का शुभारंभ

» सूरत से बिहार अंत्योदय एक्सप्रेस को भरुच से वीडियो लिंक द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरी झंडा दिखाकर कराया प्रस्थान

» उधना स्टेशन पर हाजिर रहे रेलवे राज्य मंत्री रोजेन गोहेन अंत्योदय एक्सप्रेस के शुभारंभ प्रसंग में हुये सहभागी

सूरत, 8 अक्टूबर। नर्मदा नदी पर निर्मित होने वाले भाडभूत बैरेज के शिलान्यास और जीएनएफसी के विविध प्रोजेक्ट्स के लोकार्पण और भूमिपूजन अवसर पर भरुच की मुलाकात पर आये प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी ने भरुच से वीडियो लिंक द्वारा सूरत से बिहार को जोडने वाली गुजरात की प्रथम अंत्योदय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया। लंबे अंतर की और संपूर्ण रुप से अनारक्षित ऐसी अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन को सूरत के उधना जंक्शन पर उपस्थित रहकर रेलवे राज्य मंत्री राजेन गोहेन ने फ्लेग ऑफ देकर प्रस्थान कराया।

इस अवसर पर रेलवे राज्य मंत्री राजेन गोहेन ने कहा कि पंडित दिनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार करने के लिए पश्चिम रेलवे की यह दूसरी अंत्योदय एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया है। इस ट्रेन में किसी भी प्रकार का आरक्षण नहीं होने से यह संपूर्ण रुप से अनारक्षित ट्रेन है। जिसमें अंतिम समय में भी यात्रा की जा सकती है। रोजगारी के लिए सूरत को कर्मभूमि बनानेवाले सूरत में निवास करनेवाले लाखों उत्तर भारतीय श्रमिक वर्ग को इस ट्रेन का महत्वपूर्ण और साथी लाभ मिलेगा। भारतीय रेलवे द्वारा गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए दूरंदेशी भरे कदम उठाते हुये अनेक नई ट्रेने शुरु की गई है। सूरत में निवास करनेवाले उत्तर भारतीयों के लिए अंत्योदय एक्सप्रेस में वतन का सफर करना अति सुविधाजनक और आरामदायक बनेगा तथा यह ट्रेन उत्तर भारत को पश्चिम भारत के साथ जोडनेवाली महत्वपूर्ण कडी साबित होगी ऐसा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया।

सूरत के उधना जंक्शन से बिहार के जयनगर तक की यह ट्रेन संख्या 15564 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों फ्लेग ऑफ देकर रवाना किये जाने के बाद 10 अक्टूबर के दिन जयनगर पहुंचेगी। नियमित सेवा के रुप में उधना-जयनगर साप्ताहिक अंत्योदय एक्सप्रेस उधना स्टेशन से प्रत्येक रविवार को सुबह 8:50 बजे से दौडेगी और दूसरे दिन रात 10:40 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापस लौटते गुये यह ट्रेन संख्या 15563 जयनगर-उधना साप्ताहिक अंत्योदय एक्सप्रेस जयनगर स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार मध्यरात 1.20 बजे से चलकर दूसरे दिन 13.00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, खंडवा, हरदा, इटारसी, पीपरीया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, शंकरगढ, छिंयुकी, मीरजापुर, मुगलसराय, बक्सर, आरा, पटना, मोकामा, बरोनी, समस्तीपुर तथा दरभंगा स्टेशन पर ठहरेगी। इस अवसर पर सांसद सी.आर. पाटील, दर्शनाबेन जरदोश, विधायक नरोत्तमभाई पटेल, संगीताबेन पाटील, मेयर अस्मिताबेन शिरोया, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मुकुल जैन, प. रेलवे महाप्रबंधक अनिलकुमार जैन, रेलवे के अधिकारी सहित भारी संख्या में शहरवासी उपस्थित रहे।

तांत्रिक विधि के नाम पर पैसे ऐंठने वाली दो महिला गिरफ्तार

सूरत, 8 अक्टूबर। डिंडोली देलाडवा रोड अंबिका पार्क सोसायटी में रहनेवाले सुथार परिवार की विवाहिता को पूजा विधि कराने के बहाने सोने के जेवर व नकद सहित कुल 67 हजार रुपये के माल की ठगी करनेवाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

डिंडोली देलाडवा रोड अंबिका पार्क सोसायटी में रहनेवाले भेरुलाल जगदीशभाई सुथार परिवार के साथ रहते हैं। गत 7 अक्टूबर को भेरुलाल की पत्नी मायाबेन सुबह के समय घरकाम कर रही थी। इस दौरान ओलपाड के सरस तहसील में रहनेवाली महिला तांत्रिक शांताबेन रणजीतभाई जोगी और मीराबेन संजय जोगी उनके घर पर आ गई। दोनों तांत्रिक महिलाओं ने घर में दो पुत्री देख मायाबेन को पुत्र प्राप्ति के लिए पूजा विधि कराने को कहा। विधि के बहाने ठग महिलाओं ने मायाबेन के पास से जेवर और नकद मिलाकर कुल 67 हजार रुपये का माल ऐंठ लिया। हलांकि मायाबेन को अपनी ठगी का शिकार बनाकर फरार होने में सफल हो इससे पहले दोनों तांत्रिक महिलाओं को लोगों ने पकड लिया। पकडी गई ठग महिला शांताबेन और मीराबेन को डिंडोली पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने मायाबेन की शिकायत के आधार पर ठगी की मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरु की है।

फ्रुट के ठेलेवाले का मोबाइल लेकर भाग रहा रिक्शा चालक धराया

सूरत, 8 अक्टूबर। योगी चौक में फ्रुट के ठेले पर रिक्शा चालक और उसके साथी केले का दाम पूछने के बहाने आये थे। इस दौरान ठेलेवाले की जेब से 5 हजार का मोबाइल फोन निकाल रिक्शा चालक रिक्शा लेकर भागने लगा। हलाकि ठेलेवाले ने रिक्शा का पीछा किया तो रिक्शा चालक ने नियंत्रण खोते हुये रिक्शा पलटा दी और लोगों ने रिक्शा चालक को पकड मारने-पीटने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

पूणा गांव शिवधारा अपार्टमेन्ट में रहनेवाले बुधरामभाई गौड योगी चौक समीप फ्रुट का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गत 6 अक्टूबर को रात के समय जी.जे. 5 एवाय 7108 नंबर की ऑटो रिक्शा में आये दो युवको ने बुधरामभाई के ठेले पर आकर केले का दाम पूछा। जिसके बाद उनकी जेब से 5 हजार रुपये का मोबाइल फोन निकाल रिक्शा में सवार होकर भागने लगे। यह देख बुधरामभाई ने उनका पिछा किया। पिछे आते देख रिक्शा चालक घबरा गया और स्टीयरिंग से नियंत्रण खोते हुये रिक्शा पलटा दी। इस दौरान आसपास के लोग एकत्रित हो गये और रिक्शा चालक को पकड जमकर पीटने के बाद सरथाणा पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पूछताछ में जानने को मिला कि रिक्शा चालक आरोपी विशाल अमृतलाल कुशवाहा एमपी के मुरैना जिला के चंदनका गांव निवासी है और फिलहाल कापोद्रा मारुति चौक स्थित भगवान नगर में रहता है। पुलिस ने बुधरामभाई की शिकायत के आधार पर ओग की जांच कार्यवाही शुरु की है।

8 वर्षीय बालिका के साथ छेडछाड

गोडादरा के युवक ने बालिका को शौचालय में ले जाकर की छेडछाड

सूरत, 8 अक्टूबर। गोडादरा डी.के. नगर में एक हवसखोर युवक ने आठ वर्षीय बालिका को शौचालय में ले जाकर उसके साथ छेडछाड की। पुलिस ने इस मामले में शिकायत के आधार पर हवसखोर युवक को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे धकेल दिया है।

मूलत उत्तर प्रदेश का निवासी और फिलहाल गोडादरा डी.के. नगर में रहनेवाला राहुल अयोध्याप्रसाद यादव पिछले काफी समय से पडोश में रह रहे श्रमजीवी परिवार की 8 वर्षीय बालिका पर नियत बिगाड रखी थी। गत 5 अक्टूबर को शाम के समय वह बालिका घर के आगे खेल रही थी इस दौरान मौके का फायदा उठाकर राहुल ने बालिका को लालच दिया और उसे शौचालय में ले गया। जहां शौचालय का दरवाजा बंद कर उसके साथ छेडछाड करने लगा। इस पर बालिका द्वारा शोर मचाये जाने पर बालिका की माता दौड आई। राहुल की यह हरकत देख माता अचंभित हो गई। इस दौरान राहुल ने बालिका के माता को अपशब्द कहकर यह बात किसी से की तो जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। बालिका की माता ने इस संदर्भ में लिंबायत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी राहुल को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों की पिछे धकेल दिया है।

रिक्शा में सवार विद्यार्थी का मोबाइल चोरी

सूरत, 8 अक्टूबर। सूरत शहर में मोबाइल स्नेचर और रिक्शा में यात्रियों को लूटनेवाला गिरोह पिछले काफी समय सक्रिय होने के बावजूद पुलिस के पास उन्हें रोकने व पकडने का कोई ठोस आयोजन नहीं है। जिसके परिणाम स्वरुप लोग इन गिरोह का भोग बन रहे हैं। पुन: एक बार उधना दरवाजा से खरवरनगर ब्रिज की ओर जा रही ऑटो रिक्शा सवार एक विद्यार्थी की नजर बचाकर रिक्शा चालक और उसके साथी 21 हजार रुपये का मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गये। इच्छानाथ एसवीएनआईटी सर्कल स्थित गजर भवन में रहनेवाला और वहीं अभ्यास करनेवाली 19 वर्षीय कमलकांत हिरालाल बायल गत 30 सितम्बर को एक ऑटो रिक्शा में सवार होकर उधना दरवाजा से खरवरनगर की ओर जा रहा था। इस दौरान उसकी नजर बचाकर उसकी जेब से 21 हजार रुपये का मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। जिसके बाद कमलकांत को रस्ते में उतार रिक्शा चालक व उसके साथी फरार हो गये। इस संदर्भ में कमलकांत को जानकारी होने पर उसने खटोदरा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरु की है।

एनसीपी गुजरात प्रदेश युवा उपाध्यक्ष 500 कार्यकर्ताओं के साथ आप में शामिल

सूरत, 8 अक्टूबर। चुनाव लडने की घोषणा किये जाने के साथ आम आदमी पार्टी में विविध वर्ग के अग्रणी शामिल हो रहे हैं। दलित आंदोलन के सहकन्वीनर राकेश महेरीया आप में शामिल होने के बाद सूरत में दिल्ही सरकार के केबिनेट मंत्री गोपालराय की हाजिरी में एनसीपी गुजरात प्रदेश युवा उपाध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा नेता, फिल्म कलाकार जिग्नेश महेता उनके 500 से अधिक समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुये हैं।

जिग्नेश महेता पिछले 10 वर्ष से सामाजिक कल्याण तथा प्रजा को हो रही परेशानी के खिलाफ जारी अनेक आंदोलन में शामिल रहे हैं। साथ ही स्वदेशी आंदोलन में 14 लाख से अधिक लोगों को सोशियल मीडिया पर जोड स्वदेशी मुवमेन्ट चला चुके हैं। जिग्नेश महेता 3 से अधिक फिल्मो और अनेक नाटको में भी भाग ले चुके हैं।

इसके साथ ही कामरेज विधानसभा में निर्दलीय चुनाव लडने की घोषणा करके पिछले तीन माह से हा मैं लडूंगा.. की टेगलाइन के साथ काफी प्रचार-प्रसार करनेवाले, शिक्षित, सामाजिक अग्रणी तथा पाटीदार आरक्षण आंदोलन में सक्रिय कार्यकर्ता राम धडुके भी दिल्ही सरकार के केबिनेट मंत्री तथा गुजरात के चुनाव प्रभारी गोपाल राय की हाजिरी में आम आदमी पार्टी की ईमानदार, स्वच्छ राजनीति से प्रेरित होकर आम आदमी पार्टी में अपनी दावेदारी दर्ज कराई है। इन दोनों सामाजिक अग्रणियों के पार्टी में शामिल होने से पार्टी के प्रचार प्रसार और संगठन को वेग मिलेगा तथा पार्टी सूरत और गुजरात भर में मजबूती से आगे बढेगी।

बाईक की चपेट में आये अधेड की मौत

सूरत, 8 अक्टूबर। पांडेसरा कर्मयोगी सोसायटी में रहनेवाले एक अधेड अपने रोजाना क्रम अनुसार नौकरी पर जा रहे थे। इस दौरान घर के पास सडक पार करते समय एक बाईक सवार ने तीव्र गति से बाईक चलाते हुये अधेड को चपेट में ले लिया। गंभीर रुप से घायल अधेड की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

पांडेसरा कर्मयोगी सोसायटी में रहनेवाले 60 वर्षीय रावणभाई लक्ष्मणभाई पाटील पांडेसरा जीआईडीसी में स्थित डाईंग मील में नौकरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। रविवार रोजाना की तरह नौकरी पर जाने के लिए घर से निकले थे। सोसायटी के बाहर सडक पार करते समय एक बाईक सवार ने तीव्र गति से बाईक चलाते हुये रावणभाई को चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में रावणभाई को सिर के भाग में गंभीर चोट आई। जिन्हें तत्काल ईलाज हेतु समीप के नीजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के संदर्भ में पांडेसरा पुलिस को जानकारी होते ही पुलिस काफिले के साथ घटना स्थल पर पहुंच गई। दुर्घटना को अंजाम देनेवाला बाईक चालक गिरफ्तार हो गया है वह किसी बिल्डर के यहां नौकरी करता है और बिल्डर की बाईक लेकर किसी काम से निकला था।

उधना में सप्तश्रृंगी माता मंदिर समीप एटीएम में चोरी

तस्करो ने गैस कटर से एटीम मशीन काट चोरी को दिया अंजाम, 23 लाख की चोरी का अनुमान

सूरत, 8 अक्टूबर। उधना सप्तश्रृंगी माता मंदिर समीप स्थित एक्सीस बैंक के एटीएम सेन्टर में मध्यरात प्रवेशित हुये अज्ञात तस्कर गैस कटर से एटीएम मशीन काट लाखो रुपये की चोरी कर फरार हो गये। इस चोरी के बाद उधना पुलिस की नाइट पेट्रोलिंग के खिलाफ सवाल खडा हुआ है। शनिवार हुई चोरी के पिछे उधना पुलिस का नाइट पेट्रोलिंग कारणभूत होने की चर्चा हो रही है।

उधना सप्तश्रृंगी माता मंदिर समीप एक्सीस बैंक और देना बैंक के एटीएम सेन्टर स्थित हैं। शनिवार मध्यरात तस्करों ने एक्सीस बैंक के एटीएम सेन्टर को निशाना बनाया। एटीएम के दरवाजे का लोक तोड भीतर प्रवेशित हुये अज्ञात तस्करो ने गैस कटर की सहायता से मशीन काट भीतर से करीब 23 लाख रुपये नकद की चोरी की और पलायन हो गये। घटना की जानकारी होते ही उधना पुलिस का काफिला घटना स्थल पर पहंच गया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में जांच शुरु की है। पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी केमेरा के फुटेज के आधार पर आरोपियों को पकडने के चक्र गतिमान किये हैं। यहां उलेखनीय है कि एक्सीस बैंक द्वारा एटीएम सेन्टर में सिक्युरिटी गार्ड नहीं रखा गया था और गैस कटर से मशीन काटने की आवाज भी आसपास के लोगों को नहीं आई। पुलिस फिलहाल बैंक अधिकारियों का संपर्क कर कितने रुपये की चोरी हुई इसका पता कर रही है। साथ ही आरोपियों तक पहुंचने की कवायत शुरु की है।

टाइकवन्डो कोमनवेल्थ खेल में चमके सूरत के 9 विद्यार्थी

सूरत। दुनिया में बेहद प्रतिष्ठित मानी जानेवाली कोमनवेल्थ खेल में टाइकवन्डो खेल में सूरत के 9 विद्यार्थियों ने मेडल जीतकर सूरत का नाम भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में रोशन किया है।

कनेडा के मौन्ट्रियल में गत 26 से 28 सितम्बर दौरान कोमनवेल्थ टाइकवन्डो चेम्पियनशिप का आयोजन किया गया था। जिसमें भारत भर में से 56 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। उसमें से 15 विद्यार्थी मात्र सूरत की एक ही ऐकेडमी डायनेमिक वोरीयर मार्शल आर्ट के थे। अतिप्रतिष्ठित गिनी जानेवाली इस चेम्पियनशिप में सूरत के 15 विद्यार्थियों में से आयुषी गौडा तथा प्रियंका पटेल ने गोल्ड मेडल, जयकिमियागर, केविन महेता, भव्या पुरोहित तथा ब्रजराजसिंह वाधेला ने सिल्वर मेडल तथा राजवी मास्तर, तनाया सरना और तेज पटेल ने ब्रोन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा है। इसके अलावा यशराजसिंह गोहिल, उदय मखीज, शिवम पारेख, क्रिष्णा बाबावाला, नेहा भगतवाला तथा गौरी देशमुख ने भी भारत का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

छह कारखानेदार के साथ 25.34 लाख की ठगी

पूणागांव के व्यापारी पिता-पुत्र ने लगाया चूना

सूरत, 8 अक्टूबर। पूणागांव आईमाता रोड विजयनगर सोसायटी में कपडे की दुकान चलाने वाले व्यापारी पिता-पुत्र 6 कारखानेदारों के पास से लेस पट्टी का माल लेने के बाद 25.34 लाख रुपये का पैमेन्ट दिये बिना दुकान बंद कर फरार हो गये। घटना के संदर्भ में पूणा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

मूलत: भावनगर जिला के निवासी और फिलहाल उत्राण सिल्वर पैलेस में रहनेवाले अंकितभाई हिम्मतभाई साचपरा लिंबायत नारायण नगर में लेस पट्टी का कारखाना चलाते हैं। 6 माह पहले पूणा आईमाता रोड विजय नगर सोसायटी में गुरुदेव लेस फैशन नामक दुकान चलाने वाले नानुभाई कानजी खेनी, उसके पुत्र अनिल खेनी और अल्पेश खेनी ने अंकितभाई सहित 6 कारखानेदारों के पास से कुल 25.34 लाख रुपये का लेस पट्टी का माल उधार खरीदा था। जिसके बाद माल ठिकाने लगाकर रुपये प्राप्त करने के पश्चात कारखानेदारों को पैमेन्ट नहीं दिया और उगाही किये जाने पर दुकान बंद कर फरार हो गये। घटना के संदर्भ में अंकितभाई ने पूणा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ठगी का मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तापीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com